

(b) how many projects have been started and completed;

(c) whether Central assistance given is adequate; and

(d) what are the proposals sent by the State Government in respect of irrigation projects?

The Minister of Irrigation and Power (Dr. K. L. Rao): (a) and (c) No earmarked assistance for any major or medium irrigation project of Mysore has been given during the years 1964-65, 1965-66 and 1966-67. Certain major and medium irrigation schemes are, however, assisted every year indirectly through the Miscellaneous Development loan assistance, which is sanctioned to the State Government to cover the gap between the Central assistance allocated and that received under specific Heads of Development on the basis of expenditure incurred. The amount of Miscellaneous Development Loans sanctioned to Mysore during each of these years is indicated below:

	(Rs. in lakhs)
1964-65	1844.27
1965-66	1568.80
1966-67	1575.06

(b) Out of 8 major and 17 medium schemes taken up during the three Plans, one major and 8 medium schemes were completed by the end of Third Five Year Plan. Two more medium scheme have been practically completed.

(d) The Government of Mysore had proposed an outlay of Rs. 80 crores for the Fourth Plan for major and medium irrigation projects, out of which a sum of Rs. 8.24 crores was for new schemes to be taken up in the Fourth Plan.

नई दिल्ली में बस स्टैंडों पर सेटों का निर्माण

683. श्री राम सिंह-जावरवाल :
(श्री हुकूम चन्द-कच्छवाय) :
श्री नारायण स्वकय शर्मा :

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या यह सच है कि मतदाताओं को प्रभावित करने के लिये चौथे आम चुनाव के दौरान नई दिल्ली में दिल्ली परिवहन सेवा के लगभग सभी बस स्टैंडों पर शैड बनाये गये थे;

(ख) क्या यह भी सच है कि यह निर्णय चुनावों के दिनों में किया गया था और गुरन्त ही क्रियान्वित कर दिया गया था; और

(ग) यदि हा, तो इसने क्या कारण थे ?

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्री (डा० श्रीपति चन्द्रबोस्कर): (क) जी हा । नई दिल्ली नगर पालिका काफी समय से उन सत्यापित खोमचे वाली और फेरी वालों को जो उस की सीमा के अन्तर्गत सड़क की पटरियों और अन्य स्थानों पर बैठा करते थे, रेहडियो प्रथवा ऐसी ही कोई वस्तु देने के प्रश्न पर विचार कर रही थी ताकि वे सफाई रखते हुए अपनी जीविका को कमाते रहें । इस नीति का पालन करते हुए नगर पालिका ने जुलाई 1966 में वास्तविक खोमचे और फेरी वालों को देने के लिये बस स्टॉपों के नजदीक 50 शैड बनाने का निर्णय किया था । शैडों के डिजाइन दिल्ली विकास प्राधिकरण से परामर्श करके प्रकटुबर, 1966 में मंजूर किये गये ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) यह प्रश्न नहीं उठता ।